भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन का ग्रैंड फिनाले शुरू

आईआईटी भुवनेश्वर कर रहा है सॉफ्टवेयर संस्करण की मेजबानी: 180 प्रतिभागियों वाली 26 टीमें 5 समस्या कथनों का समाधान खोजने के लिए तैयार

भुवनेश्वर, 11 दिसंबर 2024: स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के 7वें संस्करण के ग्रैंड फिनाले का उद्घाटन आज माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर, 51 अन्य संस्थानों के साथ नोडल एजेंसियों में से एक के रूप में, उद्घाटन सत्र में वर्चुअल रूप से शामिल हुआ। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल और एआईसीटीई द्वारा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा एक प्रमुख कार्यक्रम है।

राष्ट्रव्यापी उद्घाटन से पहले, कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय स्तर पर आईआईटी भुवनेश्वर में प्रोफेसर श्रीपद कर्मालकर, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा किया गया, इस अवसर पर श्री दीपन साहू, सहायक नवाचार निदेशक, शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ और एआईसीटीई; प्रोफेसर राजेश रोशन दाश, डीन (छात्र मामले), आईआईटी भुवनेश्वर; श्री बामदेव आचार्य, रजिस्ट्रार, आईआईटी भुवनेश्वर और डॉ. शुभंकर पति, सीईओ, आईआईटी भुवनेश्वर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क की उपस्थिति रही।

अपने मुख्य भाषण में, प्रो. कर्मालकर ने किसी भी क्षेत्र में करियर की सफलता के लिए संचार, सहयोग और आलोचनात्मक सोच कौशल के महत्व पर जोर दिया। “इस तरह के हैकथॉन छात्रों को ये कौशल हासिल करने में मदद करेंगे, जो उनके पेशेवर जीवन में और वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में उनकी मदद करेंगे। इस कार्यक्रम की मेजबानी करके, IIT भुवनेश्वर शिक्षा, उद्योग और सरकार के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और उद्यमशीलता की मानसिकता को विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।” उन्होंने आगे बताया कि IIT भुवनेश्वर अपने स्नातक और पीएचडी छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से उद्यमिता के विचारों से परिचित करा रहा है। इससे छात्र अपने क्षेत्र में उपयुक्त समस्याओं का चयन करने में सक्षम होंगे, जिनके समाधान व्यावसायीकरण के लिए अनुकूल होंगे। नवाचार के माध्यम से धन का सृजन, विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ज्ञान के सृजन जितना ही महत्वपूर्ण है।”

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री दीपन साहू ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2024 के महत्व और परिमाण पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया, "आईआईटी भुवनेश्वर स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2024 के सॉफ्टवेयर संस्करण की मेजबानी कर रहा है। देश भर से 180 प्रतिभागियों के साथ 26 टीमें अगले 36 घंटों के दौरान कोडिंग और प्रोग्रामिंग में अपनी क्षमता दिखाने के लिए इस मेगा

इवेंट में भाग ले रही हैं।" उन्होंने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों में रचनात्मक मानसिकता को बढ़ावा देना और उन्हें वास्तविक जीवन की समस्याओं को खोजने, टीम बनाने और प्रौद्योगिकी की मदद से समाधान निकालने की प्रक्रिया में लाना है।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. शुभंकर पति ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2024 के बारे में परिचय दिया। प्रो. राजेश रोशन दाश ने अपने संबोधन में छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और समस्याओं को हल करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बोलते हुए श्री बामदेव आचार्य ने शोध और नवाचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों को 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेंगे।

यह उल्लेख किया जा सकता है कि आईआईटी भुवनेश्वर में इस आयोजन में भाग लेने वाली 26 टीमें पाँच महत्वपूर्ण समस्या वक्तव्यों के लिए अभिनव समाधान विकसित करने के लिए एक उच्च-दांव चुनौती में प्रतिस्पर्धा करेंगी। समस्या वक्तव्य हैं: 'स्थायित्व के लिए नवाचार: घरेलू उपकरणों (रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, वाशिंग मशीन और डेजर्ट एयर कूलर) में स्मार्ट संसाधन संरक्षण (ऊर्जा और पानी) को बढ़ावा देना; टेलीग्राम, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम आधारित मादक पदार्थों की तस्करी के पीछे उपयोगकर्ताओं की पहचान करने के लिए सॉफ्टवेयर समाधान; क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन के अंतिम प्राप्तकर्ता की पहचान करने के लिए सॉफ्टवेयर समाधान; वास्तविक समय आपदा सूचना एकत्रीकरण सॉफ्टवेयर; बेहतर उत्पादकता और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एआई, एमएल या किसी भी आधुनिक तकनीक के माध्यम से एल्यूमीनियम वायर रॉड के भौतिक गुणों की भविष्यवाणी।' उनका मूल्यांकन एनडीआरएफ, एनसीबी, एमओई-इनोवेशन सेल, गोदरेज, नाल्को के मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाएगा।